अतिरिक्त भाग
पुराना नियम

पुराने नियम की पुस्तकों के विषय

उत्पत्ति: आरम्भ की पुस्तक
निर्गमन: दासता से कौम बनना
लैव्यव्यवस्था: नियम, नियम, नियम
गिनती: जंगल में घूमना
व्यवस्थाविवरण: मोआब के मैदानों में रौनक लौटना
यहोशू: देश देने की प्रतिज्ञा का पूरा होना
न्यायियों: जब हर कोई वही कुछ करता था जो उसे अच्छा लगता था
रूत: प्रेम की वफ़ाई
1 शमूएल: परिवर्तन का समय
2 शमूएल: परिवर्तन का समय
1 राजा: नबी एवं राजा
2 राजा: नबी एवं राजा
1 इतिहास: याजक एवं राजा
2 इतिहास: याजक एवं राजा
एज्रा: बंदी होने वालों की पहली दो वापसियां–मन्दिर को फिर से बनाना और सुधारना
नहेम्याह: यरूशलेम नगर फिर से बनाना
एस्तेर: यहूदियों को विनाश से बचाना
अय्यूब: धर्मी लोगों पर कष्ट क्यों आता है?
भजन संहिता: यहूदी गीतावली
नीतिवचन: बुद्धि और समझ से जीने की सीख
सभोपदेशक: "पृथ्वी पर रहते हुए हमें क्या करना चाहिए?"
श्रेष्ठगीत: प्रेम की सुन्दरता
यशायाह: मसीह से सम्बन्धित भविष्यवक्ता
यिर्मयाह: रोने वाला नबी
विलापगीत: दुख के पांच गीत
यहेजकेल: कबार नदी के किनारे रहने वाला नबी
दानिय्येल: उद्देश्य, प्रार्थना और भविष्यवाणी का नबी
होशे: टूटे घर वाला नबी
योएल: टिड्डियों की महामारी और पिन्तेकुस्त की भविष्यवाणी करने वाला
आमोस: सामाजिक न्याय तथा साहित्यिक शैली का नबी
ओबद्याह: एदोम, एदोम, एदोम
योना: पहले से सोच रखने वाला नबी
मीका: निर्धनों व पिसे हुओं का नबी
नहूम: नीनवे के जनाज़े का गीत
हबक्कूक: "और अभी" का नबी
सपन्याह: न्याय के दीपक वाला नबी (1:12)
हाग्गै: ताड़ना करने वाला, निर्वासन के बाद का नबी
जकर्याह: निर्वासन के बाद का सांकेतिक ताड़ना करने वाला नबी
मलाकी: जिस नबी ने कहा: अंतिम बार परमेश्वर का वचन युग के अंत के लिए

इब्रानी बाइबल के तीन मुख्य विभाजन

I. *व्यवस्था*–Torah (5 पुस्तकें)

- क. उत्पत्ति
- ख. निर्गमन
- ग. लैव्यव्यवस्था
- घ. गिनती
- ङ. व्यवस्थाविवरण

II. *भविष्यवक्ता*– Nebi'im (8 पुस्तकें)

- क. पहले नबी
  1. यहोशू
  2. न्यायियों
  3. शमूएल (1 व 2)
  4. राजा (1 व 2)
- ख. बाद के नबी
  1. यशायाह
  2. यिर्मयाह
  3. यहेजकेल
  4. बारह की किताब

  (छोटे नबी)

III. *लेख*–Kethubim (11 पुस्तकें)

- क. भजन संहिता, नीतिवचन, अय्यूब
- ख. पांच तालिकाएं–Megilloth
  1. श्रेष्ठगीत
  2. रूत
  3. विलापगीत
  4. सभोपदेशक
  5. एस्तेर
- ग. दानिय्येल, एज्रा/नहेमायाह, इतिहास (1 व 2)

सप्तति अनुवाद के चार प्रमुख विभाजन

(इब्रानी का यूनानी अनुवाद)

I. व्यवस्थाः पंच ग्रन्थ (5 पुस्तकें)

उत्पत्ति से व्यवस्थाविवरण

II. इतिहास (12)

यहोशू से एस्तेर

III. कविता (5)

अय्यूब से श्रेष्ठगीत

IV. भविष्यवाणी (17)

यशायाह से मलाकी

- क. बड़े नबी –यशायाह से दानिय्यल (5)
- ख. छोटे नबी –होशै से मलाकी (12)

याकूब के 12 पुत्र

लिआ के पुत्र
1. रूबेन
2. शिमोन
3. लेवी
4. यहूदा
5. इस्साकार
6. ज़बूलून

ज़िल्पा (लिआ की पुत्री) के पुत्र
7. गाद
8. आशेर

बिल्हा (राहेल की पुत्री) के पुत्र
9. दान
10. नप्ताली

राहेल के पुत्र
11. यूसुफ
12. बिन्यामीन

इस्राएल के 12 गोत्र

1. रूबेन
2. शिमोन
   (कनान पर विजय के बाद लेवी को भूमि में से हिस्सा नहीं दिया गया था ज़्योंकि वे याजकों के सहायक थे।)
3. यहूदा
4. इस्साकार
5. ज़बूलून
6. गाद
7. आशेर
8. दान
9. नप्ताली
10. एप्रैम*
11. मनश्शै*
    (*दोनों गोत्र थे ज़्योंकि वे यूसुफ के दो पुत्र थे जिन्हें याकूब ने गोद लिया था।)
12. बिन्यामीन

मूसा: उसके जीवन के 3 काल

40 वर्ष मिसर में एक राजकुमार के रूप में
40 वर्ष मिद्यान में एक चरवाहे के रूप में
40 वर्ष जंगल में इस्राएल की अगुआई करते हुए एक भविष्यवक्ता के रूप में

मन्दिर

परम पवित्र स्थान (15 वर्ग फुट) में वाचा का संदूक था जिसमें पत्थर की दो पट्टियां जिन पर दस आज्ञाएं लिखी गई थीं, मन्ना, हारून की छड़ी जो अंकुरित हुई थी, थे। प्रायश्चित का ढकना दो करूबों से सजा हुआ था।

पवित्र स्थान (30×15 फुट) में (1) सोने की दीवट; (2) मेज की रोटियां; और (3) धूप की वेदी थे।

बाहरी आंगन (150×30 फुट) में (1) होम बलि की वेदी (या पीतल की वेदी) और (2) पीतल की हौदी थी।

इस्राएल के न्यायी

क. मैसोपोटामिया का उत्पीड़न
  1. ओत्नीएल
ख. मोआब का उत्पीड़न
  2. एहूद
ग. पलिश्तीन का उत्पीड़न
  3. शमगर
घ. कनान का उत्पीड़न
  4. दबोरा
ङ मिद्यान का उत्पीड़न
  5. गिदोन
  6. अबीमेलेक
  7. तोला
  8. याईर
च. अज़्मोन का उत्पीड़न
  9. यिप्तह
  10. इबसान
  11. एलोन
  12. अज़्दोन
छ. पलिश्तिया का उत्पीड़न
  13. शिमशोन
ज. 1 शमूएल में
  14. एली
  15. शमूएल

राजाओं और इतिहास में भिन्नता

1 और 2 राजा	**1 और 2 इतिहास**
भविष्यवाणी का विचार	याजकाई का विचार
युद्ध बहुत प्रसिद्ध	मन्दिर बहुत प्रसिद्ध
सिंहासनों के भविष्य	दाऊद की परिवार रेखा की निरन्तरता
इस्राएल और यहूदा का इतिहास	मुज़्यतया यहूदा का इतिहास
नैतिकता	छुटकारा

इस्राएल के राजा

1. यारोबाम
2. नादाब
3. बाशा
4. एला
5. जिम्री
6. ओम्री
7. अहाब
8. अहज्याह
9. यहोराम*
10. येहू
11. यहोआहाज
12. योआश**
13. यारोबाम द्वितीय
14. जकर्याह
15. शल्लूम
16. मनहेम
17. पकह्याह
18. पेकह
19. होशे

* या योराम

** या यहोआश

यहूदा के राजा

1. रहूबियाम
2. अबिय्याह*
3. आसा
4. यहोशापात
5. यहोराम
6. अहज्जयाह
7. अतल्याह
8. योआश
9. अमस्याह
10. उज्जिय्याह**
11. योताम
12. अहाज
13. हिज़किय्याह
14. मनश्शे
15. आमोन
16. योशिय्याह
17. यहोआहाज
18. यहोयाकीम
19. यहोयाकीन***
20. सिदकिय्याह

*या अबिय्याम

**या अजर्याह

***या यकुन्याह, कोनियाह

नबियों का एक वर्गीकरण[1]

I. संदेश प्राप्त करने वाले के अनुसार

क. *इस्राएल के नाम:* होशे, आमोस

ख. *यहूदा के नाम:* योएल, यशायाह, मीका, सपन्नयाह, यिर्मयाह, हज़्बकूक, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी

ग. *नीनवे के नाम:* योना, नहूम

घ. *बाबुल के नाम:* दानिय्येल

ङ. *निर्वासितों के नाम:* यहेजकेल

च. *एदोम के नाम:* ओबद्याह

II. सप्तति अनुवाद के अनुसार (अंग्रेजी और हिन्दी अनुवादों में यही क्रम अपनाया गया है।)

क. *बड़े नबी:* यशायाह, यिर्मयाह (विलापगीत), यहेजकेल, दानिय्येल

ख. *छोटे नबी:* होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबज़्कूक, सपन्याह, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी

III. कालक्रम के कालों के अनुसार

क. *निर्वासन से पूर्व:* ओबद्याह, योएल, योना, होशे, आमोस, यशायाह, मीका, नहूम, सपन्याह, यिर्मयाह, हज़्बकूक

ख. *निर्वासन के समय:* यहेजकेल, दानिय्येल

ग. *निर्वासन के पश्चात:* हाग्गै, जकर्याह, मलाकी

IV. अन्यजाति संसार की सज़ा के कालों के अनुसार

क. *अश्शूरी युग:* ओबद्याह, योएल, योना, होशे, आमोस, यशायाह, मीका, नहूम

ख. *बाबुल का युग:* सपन्याह, यिर्मयाह, हज़्बकूक, दानिय्येल, यहेजकेल

ग. *फारसी युग:* हाग्गै, जकर्याह, मलाकी

V. स्वयं नबियों की तिथियों के अनुसार (नबी की सेवकाई के लगभग आरज़्भ की तिथि)

ओबद्याह (845 ई.पू.); योएल (835 ई.पू.); योना (783 ई.पू.); होशे (760 ई.पू.); आमोस (760 ई.पू.); यशायाह (739 ई.पू.); मीका (735 ई.पू.); नहूम (650 ई.पू.); सपन्याह (640 ई.पू.); यिर्मयाह (627 ई.पू.); हज़्बकूक (609 ई.पू.); दानिय्येल (605 ई.पू.); यहेजकेल (593 ई.पू.); हाग्गै (520 ई.पू.); जकर्याह (520 ई.पू.); मलाकी (433 ई.पू.)।

पाद टिप्पणी

[1]होबर्ट ई. फ्रीमैन, *ऐन इंट्रोडज़्शन टू द ओल्ड टैस्टामेंट प्रोफेटस* (शिकागो: मूडी प्रैस, 1968), 136.